दिनाँक 26 अगस्त, 2002 को पूर्वान्ह 11.00 बजे कुलपति कक्ष में सम्पन्न तदर्थ विद्या परिषद् की बैठक का कार्यवृत्त

<u>उपस्थिति</u>

(1)	प्रोफेसर डी०पी० सिंह, कुलपति	–	अध्यक्ष
(2)	प्रोफेसर अमर सिंह, पूर्व सदस्य	–	सदस्य
(3)	प्रोफेसर बी०एस० सारस्वत	–	सदस्य
(4)	प्रोफेसर चमन मेहरोत्रा	–	सदस्य
(5)	प्रोफेसर एस०एस० वर्मा	–	सदस्य
(6)	डॉ० एस०पी० सिंह	–	सदस्य
(7)	डॉ० जे०पी० शर्मा	–	सदस्य
(8)	डॉ० वी०वी० सिंह	–	सदस्य
(9)	डॉ० प्रदीप श्रीवास्तव	–	सदस्य
(10)	डॉ० श्वेता यादव	–	सदस्य
(11)	डॉ० जितेन्द्र सिंह, प्रवक्ता	–	सदस्य
(12)	श्रीमती पी.एस. मोहन कर (विशेष आमंत्रित)	–	वित्त अधिकारी
(13)	डॉ० ए०के० सिंह, कुलसचिव	–	सदस्य/सचिव

1. कुलपति द्वारा सदस्यों का स्वागत किया गया तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न निकायों के गठन एवं उनकी बैठकों के विषय में जानकारी दी गयी। परिषद् को अवगत कराया गया कि परास्नातक स्तर के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास, प्राचीन इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजीनतिशास्त्र, अंग्रेजी, तथा हिन्दी विषयों की तदर्थ पाठ्यक्रम समितियों का गठन कर दिया गया है तथा अन्य विषयों की पाठ्यक्रम समितियों को गठित करने की कार्यवाही की जा रही है।

परिषद् को यह भी अवगत कराया गया कि एफ.एम. (107. 4 MHz) बैण्ड "ज्ञानवाणी" चैनल पर इस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित रेडियों कान्फेरेन्सी की सुविधा उपलब्ध है तथा इस चैनल के माध्यम से दिनाँक 01 सितम्बर, 2002 से प्रति दिन सायं 07.00 बजे से 08.00 बजे एक घण्टा इस विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का प्रसारण होगा।

कुलसचिव ने इसके उपरान्त परिषद् के सदस्यों का परिचय कराया।

परिषद् ने अल्प अवधि में किए गये शैक्षणिक क्रियाकलापों के लिए कुलपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

P.T.O.

2. परिषद् ने मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाँक 25 जुलाई, 2002 एवं 05 अगस्त, 2002 के कार्यवृत्त पर विचार किया।

निश्चय किया कि दिनाँक 25 जुलाई, 2002 तथा 05 अगस्त, 2002 को सम्पन्न मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया जाय।

3. परिषद् ने प्राचीन इतिहास विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाँक 25-07-2002 तथा 29-07-2002 के कार्यवृत्त पर विचार किया।

निश्चय किया कि दिनाँक 25-07-2002 तथा 29-07-2002 को सम्पन्न प्राचीन इतिहास विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया जाय।

परिषद् ने यह भी निर्देश दिया कि अन्तिम वर्ष की परीक्षा में अन्य विषयों की भाँति मौखिक परीक्षा का प्रावधान किया जाय तथा मौखिक परीक्षा का यथा-स्थान समावेश करने हेतु पाठ्यक्रम समिति को सन्दर्भित किया जाय।

4. परिषद् ने समाजशास्त्र विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाँक 25 जुलाई, 2002 के कार्यवृत्त पर विचार किया।

निश्चय किया कि दिनाँक 25 जुलाई, 2002 को सम्पन्न समाजशास्त्र विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया जाय।

5. परिषद् ने अर्थशास्त्र विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाँक 28 जुलाई, 2002 के कार्यवृत्त पर विचार किया।

निश्चय किया कि दिनाँक 28 जुलाई, 2002 को सम्पन्न अर्थशास्त्र विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया जाय।

6. परिषद् ने राजनीतिशास्त्र विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाँक 30 जुलाई, 2002 के कार्यवृत्त पर विचार किया।

निश्चय किया कि दिनाँक 30 जुलाई, 2002 को सम्पन्न राजनीतिशास्त्र विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया जाय।

7. परिषद् ने अंग्रेजी विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाँक 30 जुलाई, 2002 के कार्यवृत्त पर विचार किया।

निश्चय किया कि दिनाँक 30 जुलाई, 2002 को सम्पन्न अंग्रेजी विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया जाय।

परिषद् अवगत हुई कि "इग्नू" के एम.ए. अंग्रेजी विषय का पाठ्यक्रम इस विश्वविद्यालय में सत्र 2002-2003 से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है, किन्तु इग्नू में अंग्रेजी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में मौखिकी परीक्षा का प्रावधान नहीं है जबकि इस विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर स्तर के अन्य पाठ्यक्रमों के अन्तिम वर्ष की परीक्षा में मौखिकी की व्यवस्था है। अतः परिषद् ने निश्चय किया कि इस प्रकरण को पाठ्यक्रम समिति के विचारार्थ सन्दर्भित किया जाय।

8. परिषद् ने हिन्दी विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनाँक 02 अगस्त, 2002 के कार्यवृत्त पर विचार किया।

निश्चय किया कि दिनाँक 02 अगस्त, 2002 को सम्पन्न हिन्दी विषय की तदर्थ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की बैठक के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया जाय।

परिषद् अवगत हुई कि "इग्नू" के एम०ए० हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम इस विश्वविद्यालय में सत्र 2002-2003 से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है, किन्तु इग्नू में हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में मौखिकी परीक्षा का प्रावधान नहीं है जबकि इस विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर स्तर के अन्य पाठ्यक्रमों के अन्तिम वर्ष की परीक्षा में मौखिकी की व्यवस्था है। अतः परिषद् ने निश्चय किया कि इस प्रकरण को पाठ्यक्रम समिति के विचारार्थ सन्दर्भित किया जाय।

9. परिषद् ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के अधिन्यास के मूल्यांकन की प्रक्रिया निर्धारित करने सम्बन्धी प्रश्न पर विचार किया।

परिषद् अवगत हुई कि वर्तमान व्यवस्था के अन्तर्गत सभी पाठ्यक्रमों के अधिन्यास विश्वविद्यालय में जमा किए जाते हैं तथा उनका मूल्यांकन विश्वविद्यालय अपने स्तर से कराता है जबकि "इग्नू" में प्रचलित प्रथा के अुनसार अधिन्यास का मूल्यांकन अध्ययन केन्द्रों पर कराया जाता है तथा मूल्यांकन के उपरान्त अधिन्यास शिक्षार्थियों को वापस कर दिया जाता है।

निश्चय किया कि अधिन्यास के मूल्यांकन में वही प्रक्रिया अपनाई जाय जो "इग्नू" में अपनाई जाती है।

10. परिषद् ने दीक्षान्त समारोह के आयोजन न होने की स्थिति में डिग्री प्रमाण-पत्रों पर तिथि अंकित करने सम्बन्धी विषय पर विचार किया।

निश्चय किया कि डिग्री प्रमाण-पत्रों पर तिथि अंकित करने सम्बन्धी विषय में निर्णय हेतु कुलपति को अधिकृत किया जाय।

11. परिषद् ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के काउन्सेलिंग मानक निर्धारित करने हेतु मानक के निर्धारण पर विचार किया।

निश्चय किया कि वर्तमान मानक जो निम्नलिखित है को अनुमोदित किया जाय ; प्रतिबन्ध यह होगा कि जहाँ 10 से कम शिक्षार्थियों की संख्या हो वहाँ केवल सामान्य काउन्सेलिंग के मानक का 50 प्रतिशत ही काउन्सेलिंग की व्यवस्था कराई जाय।

काउन्सेलिंग हेतु मानक :

"सामान्य पाठ्यक्रमों के आठ क्रेडिट के कोर्स में 09 से 12, छह क्रेडिट के कोर्स में 06 से 09, चार क्रेडिट के कोर्स में 04 से 05 सम्पर्क कक्षाएं आयोजित होगी किन्तु विश्वविद्यालय की पूर्व अनुमति से कम्प्यूटर कोर्स में 25% अतिरिक्त सम्पर्क कक्षाएं आयोजित की जा सकती है"

अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने के उपरान्त बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

कुलसचिव